कें.शी.मा.अनु.सं, भीमताल द्वारा हिमाचल प्रदेश के मंडी और कुल्लू में ट्राउट किसानों के लिए प्रशिक्षण आयोजित

केन्द्रीय शीतजल मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, भीमताल द्वारा रेनबो ट्राउट पालन में स्वास्थ्य प्रबंधन विषय पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 जनवरी 2026 को मंडी और 29 जनवरी 2026 को कुल्लू जिले में अनुसूचित जाति उपयोजना के अन्तर्गत डायरेक्टरेट ऑफ़ फिशरीज़, हिमाचल प्रदेश के साथ मिलकर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में रेनबो ट्राउट फार्मिंग में स्वास्थ्य प्रबंधन के तरीकों, बीज और हैचरी प्रबंधन और ट्राउट पालन को बढ़ावा देने के लिए सरकारी योजनाओं पर जानकारी दी गई ।

ट्रेनिंग का उद्देश्य पहाड़ों में ट्राउट फार्मिंग के लिए किसानों की तकनीकी कौशल और ज्ञान को बढ़ाना है। प्रगतिशील किसान श्री राजीव जायसवाल और श्री सिद्धार्थ वर्मा ने भी रेसवे और आरएएस में ट्राउट फार्मिंग में सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन प्रथाओं पर अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए । इस मौके पर किसानों को ट्राउट पालन के कामों में मदद के लिए ट्राउट फीड, हैंड नेट, आइस बॉक्स जैसे इनपुट भी बांटे गए। इसमें अनुसूचित जाति समुदाय के कुल 50 किसानों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन कें.शी.मा.अनु.सं, भीमताल से डॉ. रेणु जेठी, डॉ. किशोर कुणाल और मत्स्य पालन निदेशालय, हिमाचल से सुश्री नीतू सिंह, ए.डी.एफ और श्री अरुणकांत डी.डी.एफ. ने किया।

इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन संस्थान के निदेशक डा. अमित पाण्डे के निर्देशन में सम्पन्न किया गया ।

हिमाचल प्रदेश सरकार मात्स्यिकी विभाग
कार्यालय
उप निदेशक मत्स्य
MORPHOLOGY OF TROUT
lere For Sale Sorry For !!